DCV-19070401011800 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. I) (CBCS) Examination

August - 2022

Core-102 : Hindi

(हिन्दी उपन्यास)

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

(२) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(३) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

१ उपन्यास के उद्‌भव–विकास की विस्तृत चर्चा कीजिए । १४

२ 'गबन' उपन्यास की नायिका 'जालपा' का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

३ 'गबन' उपन्यास के कथानक को अपने शब्दों में लिखिए । १४

४ उपन्यास कला के तत्वों के आधार पर 'गबन' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए । १४

५ प्रेमचन्द्र जी के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १४

६ 'गबन' उपन्यास में व्यक्त समस्याओं की विस्तृत चर्चा कीजिए । १४

७ 'गबन' उपन्यास के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए । १४

८ ''गबन' का देवीदीन क्रान्तिकारी विचारों वाला व्यक्ति है' – इस कथन के आधार पर देवीदीन का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

९ ससन्दर्भ व्याख्या लिखिए : १४

(१) 'गहनों का मरज न जाने इस दरिद्र देश में कैसे फैल गया । जिन लोगों के भोजन का ठिकाना नहीं, वे भी गहनों के पीछे प्राण देते हैं ।'

(२) 'मुझे मज़दूरी करना, भूखों मर जाना मंजूर है । बड़ी–से–बड़ी विपत्ति जो संसार में है, वह सिर पर ले सकती हूँ, लेकिन किसी का अनभल करके स्वर्ग का राज भी नहीं ले सकती ।'

१० ससन्दर्भ व्याख्या लिखिए : १४

(१) 'देवीदीन : उसे पापी कहना चाहिए, महापापी । दया तो उसके पास से होकर भी नहीं निकली । उसकी जूट की मिल है । मजूरों के साथ जितनी निर्दयता इसकी मिल में होती है, और कहीं नहीं होती ।'

(२) 'तुम देवता भी होते तो शंका होती, तुम तो आदमी हो । मुझे तो ऐसी कोई स्त्री न मिली, जिसने अपने पति की निष्ठुरता का दुखड़ा न रोया हो ।'